निपुण भारत मिशन

योजना का नाम – निपुण भारत योजना

लांच की तारीख – 5 जुलाई 2021

योजना श्रेणी –केंद्र सरकारी योजना

लाभार्थी -3 साल से 9 साल तक के सभी छात्र –छात्राएं

उदेश्य – बालवाटिका से कक्षा 3 तक के बच्चों को आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्रदान करना

2026-27 तक प्रतेक बच्चे को तीसरी कक्षा के अंत तक पढने लिखने एवं अंकगणित को सीखने की क्षमता प्रदान की जाएगी |

उदेश्य - इस पहल का उदेश्य यह सुनिश्चित करना है की 2026-27 तक देश का प्रतेक बच्चा मूलभूत साक्षरता और सांख्य गाणना में कौशल आवश्यक रूप से प्राप्त कर सके | शिक्षक क्षमता निर्माण ,उच्च गुणवत्ता और विविध छात्र और शिक्षक संसाधन ,लर्निंग सामग्री का विकास ,और सीखने के परिणामों को प्राप्त करने में प्रतेक बच्चे की प्रगति पर नजर रखने के लिए है | नई शिक्षा नीति 2020 के सफलतापूर्वक कार्यन्वयन के लिए 5 जुलाई 2021 को भारत के शिक्षा मंत्री डा0 श्री रमेश पोखरियाल निशंक हरिद्वार क्षेत्र से लोकसभा सांसद के द्वारा निपुण भारत कार्यक्रम की शुरुआत की गयी |केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तौर पर डा0 निशंक को क्रान्तिकारी बदलाव लाने के लिए याद किया जायेगा कयी अहम फैसले और नीतियाँ लागू की गयीं डा0 श्री रमेश पोखरियाल 7 जुलाई 2021 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद छोड़ते हुए खराब स्वास्थ्य के चलते स्तीफा दे दिया |

निपुण भारत मिशन का शाशनदेश जारी हुआ 23 दिसम्बर 2021

NIPUN का अर्थ

NATIONAL INITIATIVE FOR PROFICIENCY IN READING WITH UNDERSTANDING AND NUMERACY

नेशनल इनिशिएटिव फार प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

बेहतर समझ और संख्यात्मक ज्ञान के साथ पढ़ाई में प्रवीणता के लिए राष्ट्रीय पहल

3 से 9 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की सीखने की जरूरतों को पूरा करना है शिक्षकों को बुनियादी भाषा के विकास के लिए हर बच्चे की साक्षरता और संख्यात्मक कौशल पर ध्यान देने की जरूरत है | (डा0 श्री रमेश पोखरियाल निशंक)

निपुण भारत योजना में कौन सी कक्षाएं शामिल हैं |

निपुण भारत योजना के अंतर्गत प्री स्कूल 1 , प्री स्कूल 2 , प्री स्कूल 3, (बाल बाटिका)
के बाद ग्रेड 1 , ग्रेड 2 , और ग्रेड 3 , की कक्षाएं शामिल है
नोट – बालवाटिका – प्री प्राइमरी (आंगनबाड़ी)
ग्रेड 1 से 3 कक्षा 1 ,2 , 3 , है |

बालवाटिका क्या है

6 जुलाई से सरकारी प्राथमिक स्कूलों में स्थित 5000 आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्री स्कूल शुरू होंगे इन स्कूलों को बालवाटिका नाम दिया गया है जहाँ पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को खेल खेल स्कूल तैयार करेंगे |

शिक्षा का अधिकान
समग्र शिक्षा
सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

NIPUN BHARAT

निपुण भारत लक्ष्य

भाषा

बालवाटिका अक्षरों एवं संगत ध्वनियों को पहचान लेते हैं।
कम से कम दो अक्षर वाले सरल शब्दों को प्राप्त कर लेते हैं।

कक्षा- 1 अर्थ के साथ पढ़ लेते हैं। ऐसे छोटे वाक्य जो आयु के अनुसार किसी अज्ञात पाठ का भाग हो, जिसमें 4-5 सरल शब्द हों, को पढ़ लेते हैं।

कक्षा- 2 अर्थ के साथ पढ़ लेते हैं।
45-60 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।

कक्षा- 3 अर्थ के साथ पढ़ लेते हैं।
न्यूनतम 60 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।

गणित

बालवाटिका 10 तक की अंकों की पहचान व पढ़ लेते हैं।
एक क्रम में घटनाओं की संख्या, वस्तुओं आकृतियों, घटनाओं को व्यवस्थित कर लेते हैं।

कक्षा- 1 99 तक की संख्याएँ पढ़ व लिख लेते हैं।
सरल जोड़ व घटाव कर लेते हैं।

कक्षा- 2 999 तक की संख्याएँ पढ़ व लिख लेते हैं।
99 तक की संख्याओं का घटाव कर लेते हैं।

कक्षा- 3 9999 तक की संख्याएँ पढ़ व लिख लेते हैं।
सरल गुणा समस्याओं को हल कर लेते हैं।

विद्यालय के शत-प्रतिशत बच्चों द्वारा वर्ष 2026-27 तक यह लक्ष्य प्राप्त करना है।

निपुण भारत तालिका – भाषा (बालवाटिका)

विषय		दक्षताएँ
मौखिक भाषा	1	दोस्तों और शिक्षकों से बात करना।
	2	समझ के साथ तुकांत / कविताएं गाना।
पढ़ना	3	किताबों को देखना और चित्रों की मदद से कहानी पढ़ने का प्रयास करना।
	4	कुछ परिचित दोहराए गए शब्दों को पहचानने और इंगित करने की शुरुआत करना (दृष्टि शब्दों या खाद्य कंटेनर / रैपर पर छपे शब्द)
	5	अक्षरों और संगत ध्वनियों को पहचानना।
	6	कम से कम दो अक्षर वाले सरल शब्दों को पढ़ना।
लेखन	7	खेल के दौरान पहचान वाले अक्षरों को लिखने का प्रयास करना।
	8	आत्म अभिव्यक्ति के लिए पेंसिल घसीटना या चित्र बनाना
	9	पेंसिल को ठीक से पकड़ना और पहचानने योग्य अक्षर बनाने के लिए उपयोग करना।
	10	अपने नाम के पहले शब्द को पहचानना और लिखना।

Scanned with CamScanner

निपुण भारत तालिका – गणित (बालवाटिका)

विषय		दक्षताएँ
संख्यात्मक	1	वस्तुओं की गिनती और 10 तक संख्याओं से सह सम्बंध स्थापित करना
	2	10 तक के अंको को पहचानना और पढ़ना।
	3	वस्तुओं की संख्या के संदर्भ में दो समूहों की तुलना करना और अधिक / कम / बराबर आदि जैसे शब्दों का उपयोग करना।
	4	एक क्रम में घटनाओं की संख्या / वस्तुओं / आकृतियों / घटनाओं को व्यवस्थित करना।
	5	वस्तुओं को उनकी अवलोकनीय विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत करना और वर्गीकरण के मानदंड का संचार करना
	6	अपने आसपास की विभिन्न वस्तुओं के संदर्भ में तुलनात्मक शब्दों का उपयोग करना जैसे - लम्बे, सबसे लम्बे, सबसे छोटे से अधिक, हल्के आदि।

निपुण भारत तालिका – भाषा (कक्षा – 1)

विषय		दक्षताएँ
मौखिक भाषा	1	अपनी आवश्यकताओं, प्रवेश के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ बातचीत करना।
	2	कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री व इसके विषयवस्तु पर बात करना
पढ़ना	3	कविताओं / गीतों को एक्शन के साथ सुनाना।
	4	कहानी कहने के सत्र के दौरान सक्रिय रूप से भाग लेना तथा कहानी सत्र के दौरान और बाद में सवालों का जवाब देना ; कठपुतलियों और अन्य सामग्रियों के साथ परिचित कहानी का अभिनय करना।
	5	वर्तनी के साथ शब्द लिखने के लिए ध्वनि प्रतीक का उपयोग करना।
	6	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ में से कम से कम 4-5 सरल शब्द सहित छोटे-छोटे वाक्य पढ़ना।
लेखन	7	परिचित संदर्भों (कहानी/ कविता/ पर्यावरण संबंधी प्रिंट आदि) में प्रयोग होने वाले शब्दों में मात्राओं के साथ परिचित होना।
	8	लेखन, ड्राइंग, और/ या चीजों को अर्थ देना और अपने कार्यपत्र, बधाई संदेश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिखना और ऐसे चित्र बनाना जो पहचानने योग्य हो या अन्य लोगों से मेल खाते हो।

निपुण भारत तालिका – गणित (कक्षा – 1)

विषय		दक्षताएँ
संख्यात्मक	1	20 तक वस्तुओं की गिनती करना।
	2	99 तक की संख्या पढ़ना और लिखना।
	3	दैनिक जीवन स्थितियों में 9 तक संख्याओं के जोड़ और घटाव का उपयोग करना।
	4	अपने चारों ओर 3D आकृतियों (ठोस आकृतियों) के भौतिक गुणों का अवलोकन और वर्णन करना / जैसे - गोल / समतल सतह, कोनो और किनारों की संख्या आदि।
	5	गैर मानक - गैर समान इकाइयों जैसे - हाथ की लम्बाई, पैर की लम्बाई, उंगलियों आदि का उपयोग करके लम्बाई का अनुमान लगाना और पुष्टि करना और गैर मानक इकाइयों जैसे - कप, चम्मच, मग आदि का उपयोग करने की क्षमता रखना।
	6	आकार और संख्याओं का उपयोग करके छोटी कविताओं और कहानियों का निर्माण और पाठ करना।

निपुण भारत तालिका – भाषा (कक्षा – 2)

विषय		दक्षताएँ
मौखिक भाषा	1	कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बात करना।
	2	प्रश्न पूछने के लिए बातचीत में संलग्न होना और दूसरों को सुनना।
	3	गीत / कविताएं सुनाना।
	4	कहानिओं / कविताओं / प्रिंट आदि में होने वाले परिचित शब्दों को दोहराना।
पढ़ना	5	बच्चों के साहित्य / पाठ पुस्तकों से कहानियों को पढ़ना / वर्णन करना / फिर से बताना
	6	किसी दिए गए शब्द के अक्षरों से नए शब्द बनाना।
	7	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ से उचित गति और स्पष्टता के साथ शब्दों के 8-10 वाक्यों को पढ़ना (लगभग 45 से 60 शब्द प्रति मिनट सही ढंग से)।
लेखन	8	स्वयं को व्यक्त करने के लिए छोटे / सरल वाक्य को सही ढंग से लिखना।
	9	संज्ञा शब्द , क्रिया शब्द और विराम चिन्हों को पहचानना।

निपुण भारत तालिका – गणित (कक्षा – 2)

विषय		दक्षताएँ
संख्यात्मक	1	999 तक संख्या पढ़ना और लिखना।
	2	99 तक की संख्याओं को जोड़ना और घटाना, दैनिक जीवन स्थितियों में 99 तक की वस्तुओं का योग।
	3	गुणा और जोड़ को समान वितरण/ बंटवारे के रूप में गुणा करना और 2, 3 और 4 के गुणन तथ्यों (तालिकाओं) का निर्माण करना।
	4	गैर मानक इकाइयों जैसे - रॉड, पेंसिल, धागा, कप, चम्मच, मग आदि का उपयोग करके लम्बाई / दूरी / क्षमता का अनुमान लगाना और मापना और सरल संतुलन का उपयोग करके वजन की तुलना करना।
	5	आयत, त्रिभुज, वृत्त, अंडाकार आदि जैसे 2D आकृतियों की पहचान करना और उनका वर्णन करना।
	6	दूर/ पास, अंदर/ बाहर, ऊपर / नीचे, बाएं / दाएं, आगे / पीछे, आदि जैसे स्थानिक शब्दावली का उपयोग करना
	7	संख्याओं और आकृतियों का उपयोग करके सरल पहेलियों को बनाना और हल करना।

निपुण भारत तालिका – भाषा (कक्षा – 3)

विषय		दक्षताएँ
मौखिक भाषा	1	घर / स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके स्पष्टता के साथ बातचीत करना।
	2	कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बात करना।
	3	सवाल पूछने, अनुभव बताने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेना।
	4	कविताओं को व्यक्तिगत रूप से और समूह में आवाज का उतार-चढ़ाव और आवाज बदलकर सुनना।
पढ़ना	5	परिचित पुस्तकों / पाठ्य पुस्तकों से जानकारी प्राप्त करना।
	6	भाषा के आधार पर और एक आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ से सही उच्चारण के साथ लगभग 60 शब्द प्रति मिनट की इष्टतम गति के साथ पढ़ना।
	7	पाठ में दिए गए निर्देशों को पढ़ना और उनका पालन करना।
	8	आयु उपयुक्त अज्ञात कहानी / 8-10 वाक्यों के अनुच्छेद को पढ़कर 4 में से कम से कम 3 प्रश्नों का उत्तर दे सकें।
लेखन	9	विभिन्न उद्देश्यों के लिए लघु संदेश लिखना।
	10	लिखने के लिए क्रिया शब्दों, नामकरण और विराम चिन्ह का उपयोग करना।
	11	व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य लिखना।
	12	व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्यों का प्रयोग करके स्वयं छोटे अनुच्छेद और छोटी कहानियां लिखना।

निपुण भारत तालिका – गणित (कक्षा – 3)

विषय		दक्षताएँ
संख्यात्मक	1	9999 तक संख्या पढ़ना और लिखना।
	2	999 तक की संख्याओं को जोड़ना और घटाना, दैनिक जीवन स्थितियों में 999 तक की वस्तुओं का योग।
	3	2 से 10 की संख्या के गुणन तथ्यों (तालिकाओं) का निर्माण एवं उपयोग करना तथा विभाजन तथ्यों का उपयोग करना।
	4	मानक इकाइयों जैसे - मीटर, किमी, ग्राम, किग्रा, लीटर आदि का उपयोग करके लम्बाई / दूरी, वजन और क्षमता का अनुपात लगाना और मापना।
	5	3D आकृतियों (ठोस आकृतियों) के साथ मूल 2D आकृतियों की पहचान करना और सम्बंधित करना और उनके गुणों जैसे - चेहरे, किनारों और कोनों आदि की संख्या का वर्णन करना।
	6	किसी तिथि और दिन की कैलेंडर पर पहचान करना, घंटे और आधे घंटे में घड़ी पर समय पढ़ना।
	7	वस्तुओं के संग्रहण में आधा, एक चौथाई एक पूरे के तीन - चौथाई आदि के रूप में पहचान करना।
	8	संख्याओं, घटनाओं और आकारों पर सरल पैटर्न के लिए नियमों की पहचान करना, विस्तार करना और

निपुण भारत सूची – भाषा (बालवाटिका)

विषय		दक्षताएँ
मौखिक भाषा	1	दोस्तों और शिक्षकों से बात करना।
	2	समझ के साथ तुकांत / कविताएं गाना।
पढ़ना	3	किताबों को देखना और चित्रों की मदद से कहानी पढ़ने का प्रयास करना।
	4	कुछ परिचित दोहराए गए शब्दों को पहचानने और इंगित करने की शुरुआत करना (दृष्टि शब्दों या खाद्य कंटेनर / रैपर पर छपे शब्द)
	5	अक्षरों और संगत ध्वनियों को पहचानना।
	6	कम से कम दो अक्षर वाले सरल शब्दों को पढ़ना।
लेखन	7	खेल के दौरान पहचान वाले अक्षरों को लिखने का प्रयास करना।
	8	आत्म अभिव्यक्ति के लिए पेंसिल घसीटना या चित्र बनाना
	9	पेंसिल को ठीक से पकड़ना और पहचानने योग्य अक्षर बनाने के लिए उपयोग करना।
	10	अपने नाम के पहले शब्द को पहचानना और लिखना।

Scanned with CamScanner

निपुण भारत सूची – गणित (बालवाटिका)

विषय		दक्षताएँ
संख्यात्मक	1	वस्तुओं की गिनती और 10 तक संख्याओं से सह सम्बंध स्थापित करना।
	2	10 तक के अंको को पहचानना और पढ़ना।
	3	वस्तुओं की संख्या के संदर्भ में दो समूहों की तुलना करना और अधिक / कम / बराबर आदि जैसे शब्दों का उपयोग करना।
	4	एक क्रम में घटनाओं की संख्या / वस्तुओं / आकृतियों / घटनाओं को व्यवस्थित करना।
	5	वस्तुओं को उनकी अवलोकनीय विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत करना और वर्गीकरण के मानदंड का संचार करना।
	6	अपने आसपास की विभिन्न वस्तुओं के संदर्भ में तुलनात्मक शब्दों का उपयोग करना जैसे - लम्बे, सबसे लम्बे, सबसे छोटे से अधिक, हल्के आदि।

निपुण भारत सूची – भाषा (कक्षा – 1)

विषय		दक्षताएँ
मौखिक भाषा	1	अपनी आवश्यकताओं, प्रवेश के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ बातचीत करना।
	2	कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री व इसके विषयवस्तु पर बात करना
	3	कविताओं / गीतों को एक्शन के साथ सुनाना।
पढ़ना	4	कहानी कहने के सत्र के दौरान सक्रिय रूप से भाग लेना तथा कहानी सत्र के दौरान और बाद में सवालों का जवाब देना ; कठपुतलियों और अन्य सामग्रियों के साथ परिचित कहानी का अभिनय करना।
	5	वर्तनी के साथ शब्द लिखने के लिए ध्वनि प्रतीक का उपयोग करना।
	6	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ में से कम से कम 4-5 सरल शब्द सहित छोटे-छोटे वाक्य पढ़ना।
लेखन	7	परिचित संदर्भों (कहानी/ कविता/ पर्यावरण संबंधी प्रिंट आदि) में प्रयोग होने वाले शब्दों में मात्राओं के साथ परिचित होना।
	8	लेखन, ड्राइंग, और/ या चीजों को अर्थ देना और अपने कार्यपत्र, बधाई संदेश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिखना और ऐसे चित्र बनाना जो पहचानने योग्य हो या अन्य लोगों से मेल खाते हो।

निपुण भारत सूची – गणित (कक्षा – 1)

विषय		दक्षताएँ
संख्यात्मक	1	20 तक वस्तुओं की गिनती करना।
	2	99 तक की संख्या पढ़ना और लिखना।
	3	दैनिक जीवन स्थितियों में 9 तक संख्याओं के जोड़ और घटाव का उपयोग करना।
	4	अपने चारों ओर 3D आकृतियों (ठोस आकृतियों) के भौतिक गुणों का अवलोकन और वर्णन करना / जैसे - गोल / समतल सतह, कोनो और किनारों की संख्या आदि।
	5	गैर मानक - गैर समान इकाइयों जैसे - हाथ की लम्बाई, पैर की लम्बाई, उंगलियों आदि का उपयोग करके लम्बाई का अनुमान लगाना और पुष्टि करना और गैर मानक इकाइयों जैसे - कप, चम्मच, मग आदि का उपयोग करने की क्षमता रखना।
	6	आकार और संख्याओं का उपयोग करके छोटी कविताओं और कहानियों का निर्माण और पाठ करना।

निपुण भारत सूची – भाषा (कक्षा – 2)

विषय		दक्षताएँ
मौखिक भाषा	1	कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बात करना।
	2	प्रश्न पूछने के लिए बातचीत में संलग्न होना और दूसरों को सुनना।
	3	गीत / कविताएं सुनाना।
	4	कहानिओं / कविताओं / प्रिंट आदि में होने वाले परिचित शब्दों को दोहराना।
पढ़ना	5	बच्चों के साहित्य / पाठ पुस्तकों से कहानियों को पढ़ना / वर्णन करना / फिर से बताना।
	6	किसी दिए गए शब्द के अक्षरों से नए शब्द बनाना।
	7	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ से उचित गति और स्पष्टता के साथ शब्दों के 8-10 वाक्यों को पढ़ना (लगभग 45 से 60 शब्द प्रति मिनट सही ढंग से)।
लेखन	8	स्वयं को व्यक्त करने के लिए छोटे / सरल वाक्य को सही ढंग से लिखना।
	9	संज्ञा शब्द , क्रिया शब्द और विराम चिन्हों को पहचानना।

निपुण भारत सूची – गणित (कक्षा – 2)

विषय		दक्षताएँ
संख्यात्मक	1	999 तक संख्या पढ़ना और लिखना।
	2	99 तक की संख्याओं को जोड़ना और घटाना, दैनिक जीवन स्थितियों में 99 तक की वस्तुओं का योग।
	3	गुणा और जोड़ को समान वितरण/ बंटवारे के रूप में गुणा करना और 2, 3 और 4 के गुणन तथ्यों (तालिकाओं) का निर्माण करना।
	4	गैर मानक इकाइयों जैसे - रॉड, पेंसिल, धागा, कप, चम्मच, मग आदि का उपयोग करके लम्बाई / दूरी / क्षमता का अनुमान लगाना और मापना और सरल संतुलन का उपयोग करके वजन की तुलना करना।
	5	आयत, त्रिभुज, वृत्त, अंडाकार आदि जैसे 2D आकृतियों की पहचान करना और उनका वर्णन करना।
	6	दूर/ पास, अंदर/ बाहर, ऊपर / नीचे, बाएं / दाएं, आगे / पीछे, आदि जैसे स्थानिक शब्दावली का उपयोग करना
	7	संख्याओं और आकृतियों का उपयोग करके सरल पहेलियों को बनाना और हल करना।

Scanned with CamScanner

निपुण भारत सूची – भाषा (कक्षा – 3)

विषय		दक्षताएँ
मौखिक भाषा	1	घर / स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके स्पष्टता के साथ बातचीत करना।
	2	कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बात करना।
	3	सवाल पूछने, अनुभव बताने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेना।
	4	कविताओं को व्यक्तिगत रूप से और समूह में आवाज का उतार-चढ़ाव और आवाज बदलकर सुनना।
पढ़ना	5	परिचित पुस्तकों / पाठ्य पुस्तकों से जानकारी प्राप्त करना।
	6	भाषा के आधार पर और एक आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ से सही उच्चारण के साथ लगभग 60 शब्द प्रति मिनट की इष्टतम गति के साथ पढ़ना।
	7	पाठ में दिए गए निर्देशों को पढ़ना और उनका पालन करना।
	8	आयु उपयुक्त अज्ञात कहानी / 8-10 वाक्यों के अनुच्छेद को पढ़कर 4 में से कम से कम 3 प्रश्नों का उत्तर दे सकें।
लेखन	9	विभिन्न उद्देश्यों के लिए लघु संदेश लिखना।
	10	लिखने के लिए क्रिया शब्दों, नामकरण और विराम चिन्ह का उपयोग करना।
	11	व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य लिखना।
	12	व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्यों का प्रयोग करके स्वयं छोटे अनुच्छेद और छोटी कहानियां लिखना।

निपुण भारत सूची – गणित (कक्षा – 3)

विषय		दक्षताएँ
संख्यात्मक	1	9999 तक संख्या पढ़ना और लिखना।
	2	999 तक की संख्याओं को जोड़ना और घटाना, दैनिक जीवन स्थितियों में 999 तक की वस्तुओं का योग।
	3	2 से 10 की संख्या के गुणन तथ्यों (तालिकाओं) का निर्माण एवं उपयोग करना तथा विभाजन तथ्यों का उपयोग करना।
	4	मानक इकाइयों जैसे - मीटर, किमी, ग्राम, किग्रा, लीटर आदि का उपयोग करके लम्बाई / दूरी, वजन और क्षमता का अनुपात लगाना और मापना।
	5	3D आकृतियों (ठोस आकृतियों) के साथ मूल 2D आकृतियों की पहचान करना और सम्बंधित करना और उनके गुणों जैसे - चेहरे, किनारों और कोनों आदि की संख्या का वर्णन करना।
	6	किसी तिथि और दिन की कैलेंडर पर पहचान करना, घटे और आधे घटे में घड़ी पर समय पढ़ना।
	7	वस्तुओं के संग्रहण में आधा, एक चौथाई एक पूरे के तीन - चौथाई आदि के रूप में पहचान करना।
	8	संख्याओं, घटनाओं और आकारों पर सरल पैटर्न के लिए नियमों की पहचान करना, विस्तार करना और संवाद करना

भाषा की दक्षता की जाँच (निपुण लक्ष्य) कक्षा - 1

अक्षर पहचान कर लेते हैं	दो अक्षर वाले सरल शब्दों को पढ़ लेते हैं	दो अक्षर वाले 5 सरल शब्दों से बने वाक्य पढ़ लेते हैं
घ च ह ड उ क स न य ए ज ट र थ ग त्र व प झ आ द ज्ञ ख ल म त ठ श इ फ छ ढ ध ब भ क्ष	बल दूध जग आम चख मोती हम चाल मई भय झट कक्ष यश रथ ऊन पत्र घर पढ़ मठ धन ईश दस दिन पानी चलो छत केला नव पुल दौड़ बैंक	रथ पर चढ़ घर चल । राम आम खाता है । गाय मीठा दूध देती है । पापा मुझे मेला ले जाते हैं । जूही को नानी टॉफी देती है । मनु घोड़ा दौड़ा रही है ।

गणित की जाँच (निपुण लक्ष्य) कक्षा - 1

अंक ज्ञान	गिनती 1 से 100 तक का ज्ञान / दो अंकों की संख्या पहचान लेते हैं	एक अंक का जोड़ कर लेते हैं (75% प्रश्नों को सही हल करना)	एक अंक का घटाव कर लेते हैं (75% प्रश्नों को सही हल करना)
4 7 9 3 5 8 1 6	12 36 18 45 27 54 19 86 31 66 24 75 37 92 13 78 19 46 15 94 51 39 63 17	5 4 + 2 + 3 6 3 + 3 + 2 4 7 + 1 + 1	5 7 - 3 - 4 3 8 - 2 - 4 9 4 -7 -1

भाषा की दक्षता की जाँच (निपुण लक्ष्य) कक्षा - 1

अक्षर पहचान कर लेते हैं	दो अक्षर वाले सरल शब्दों को पढ़ लेते हैं	दो अक्षर वाले 5 सरल शब्दों से बने वाक्य पढ़ लेते हैं
घ च ह ड उ	बल दूध जग	रथ पर चढ़ घर चल ।
क स न य	आम चख मोती	राम आम खाता है ।
ए ज ट र थ	हम चाल मई भय	गाय मीठा दूध देती है ।
ग त्र व प झ	झट कक्ष यश	पापा मुझे मेला ले जाते हैं ।
आ द ज्ञ ख	रथ ऊन पत्र घर	जूही को नानी टॉफी देती है ।
ल म त ठ	पढ़ मठ धन ईश	मनु घोड़ा दौड़ा रही है ।
श इ फ छ	दस दिन पानी	
ढ ध ब भ क्ष	चलो छत केला	
	नव पुल दौड़ बैंक	

गणित की जाँच (निपुण लक्ष्य) कक्षा - 1

अंक ज्ञान	गिनती 1 से 100 तक का ज्ञान / दो अंकों की संख्या पहचान लेते हैं	एक अंक का जोड़ कर लेते हैं (75% प्रश्नों को सही हल करना)	एक अंक का घटाव कर लेते हैं (75% प्रश्नों को सही हल करना)
4		5 4	5 7
7	12 36 18	+ 2 + 3	- 3 - 4
9	45 27 54	------- -------	------- -------
3	19 86 31	6 3	3 8
5	66 24 75	+ 3 + 2	- 2 - 4
8	37 92 13	------- -------	------- -------
1	78 19 46	4 7	9 4
6	15 94 51	+ 1 + 1	-7 -1
	39 63 17	------- -------	------- -------

भाषा की दक्षता की जाँच (निपुण लक्ष्य) कक्षा - 3

अक्षर पहचान कर लेते हैं	दो अक्षर वाले सरल शब्दों को पढ़ लेते हैं	अनुच्छेद को 60 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं। अनुच्छेद को पढ़ कर 75% प्रश्नों को सही हल कर लेते हैं।
घ च ह ड उ क स न य ए ज ट र थ ग त्र व प झ आ द ज्ञ ख ल म त ठ श इ फ छ ढ ध ब भ क्ष	दूध आम चख मोती हम चाल मई झट जुलाई कक्ष यश रथ ऊन पत्र पढ़ गुलाब ईश दस दिन पानी चलो जलेबी केला मिठाई नव पुलिया दौड़ना बैंक कैलाश	बरसात का मौसम था। गली के बच्चे सोनू के घर खेल रहे थे। तभी बरसात शुरू हो गई। अब बच्चे बरसात के पानी में खेलने लगे। सोनू का कुत्ता भी उनके साथ खेल रहा था। तभी टर्र-टर्र की आवाज सुनकर कुत्ता चौंक गया। उसने दो मेंढक देखे। वह उनको पकड़ने के लिए दौड़ा। कुत्ते को देखकर मेंढकों ने पानी में छलांग लगा दी। बच्चों को यह देखकर बड़ा मजा आया। **प्रश्न –** 1) बच्चे किस मौसम में खेल रहे थे ? 2) टर्र-टर्र की आवाज कौन लगाता है ? 3) मेंढकों ने पानी में छलांग क्यों लगाया ? 4) बच्चों को मजा कब आया ?

गणित की जाँच (निपुण लक्ष्य) कक्षा - 3

अंक ज्ञान	गिनती 1 से 100 तक का ज्ञान / दो अंकों की संख्या पहचान लेते हैं	जोड़ (योग 99 तक) एवं घटाव (दो अंकीय) के 75% प्रश्नों को सही हल कर लेते हैं	जोड़ (योग 999 तक) एवं घटाव (तीन अंकीय) के 75% प्रश्नों को सही हल कर लेते हैं	2 से 10 तक संख्याओं से गुणा (गुणनफल 100 तक) के 75% प्रश्नों को सही हल कर लेते हैं
4 7 9 3 5 8 1 6 2	12 36 18 45 27 54 19 86 31 66 24 75 37 92 13 78 19 46 15 94 51 79 56 35 47 23 88 39 63 17 11 97 33 29 61 89 71 99 13 80 50 60	25 57 + 13 -24 ------ ------ 83 78 +32 - 49 ------ ------ 94 45 +37 -26 ------ ------ 94 41 +37 -18 ------ ------	325 657 + 213 -324 ------ ------ 809 738 +732 - 549 ------ ------ 984 495 +357 -286 ------ ------ 594 741 +367 -568 ------ ------	9 7 × 5 × 4 ------ ------ 19 41 × 5 × 2 ------ ------ 16 14 × 6 × 7 ------ ------ 25 20 × 3 × 4 ------ ------

प्रश्न 1– निपुण भारत योजना कब लागू की गयी उत्तर – 5 जुलाई 2021

प्रश्न 2 – निपुण भारत योजना को किसने लागू किया उत्तर – केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक

प्रश्न 3 – निपुण भारत योजना का लक्ष्य क्या है - उत्तर –ग्रेड 3 के अंत तक मूलभूत साक्षरता और संख्या गणना का लक्ष्य

प्रश्न – 4 निपुण भारत योजना का लक्ष्य कब तक रखा गया है - उत्तर –2026 -27 तक

प्रश्न – 5 निपुण भारत योजना के स्तर कौन कौन से हैं - उत्तर – राष्ट्रीय –राज्य – जिला – ब्लाक – स्कूल

प्रश्न –6 निपुण भारत किस विषय को प्रोत्साहित करता है उत्तर – भाषा और गणित

प्रश्न – 7 निपुण भारत अभियान किस कक्षा तक के लिए है उत्तर – कक्षा - 3

प्रश्न – 8 निपुण भारत अभियान के कुल कितने भाग हैं - उत्तर – कुल 17 भाग

प्रश्न 9 – निपुण भारत योजना कितने वर्ष तक के बच्चों के लिए है उत्तर – 3 से वर्ष तक के बच्चों के लिए

प्रश्न 10 – नयी शिक्षा नीति कब लागू हुई उत्तर – 29 जुलाई 2020

प्रश्न 11 – नयी शिक्षा नीति लागू करने बाला प्रथम राज्य है उत्तर – कर्नाटक

प्रश्न 12 – लर्निंग असेसमेंट क्या है - उत्तर – लर्निंग असेसमेंट के माध्यम से ही शिक्षक बच्चों को सीखने की क्षमता का विस्तार करता है

प्रश्न 13 – मानव संसाधन विभाग का नाम बदल कर क्या रखा गया है उत्तर – शिक्षा मंत्रालय

संख्या—1664 /68—5—2021—182/2021

प्रेषक,

दीपक कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश, शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

बेसिक शिक्षा अनुभाग—5 लखनऊः दिनांक 23 दिसम्बर, 2021

विषय—''मिशन प्रेरणा फेज—2: निपुण भारत''के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में आपका ध्यान आकृष्ट कराते हुये अवगत कराना है कि शासनादेश संख्या—114/68—5—2020 दिनॉक 28 फरवरी, 2020 एवं शासनादेश संख्या— 1500/68—5—2020 दिनांक 11 जनवरी, 2021 द्वारा मिशन प्रेरणा के क्रियान्वयन हेतु निर्देश जारी किये गये थे।

2. इस संदर्भ में अवगत कराना है कि स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र सं0—01—08/2021—आईएस—14 दिनांक 06.07.2021 द्वारा **निपुण भारत (National Initiative for Profieciency in Reading with Understanding and Numernacy- NIPUN Bharat)** गाइड लाइन्स के संदर्भ में निर्देश जारी किये गये हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026—27 तक प्राथमिक कक्षाओं में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने तथा कक्षा—3 तक सभी बच्चों में पढ़ने—लिखने और संख्या ज्ञान में ग्रेड स्तर की अपेक्षित योग्यता प्राप्त करने के उद्देश्य से **''राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान मिशन'' (निपुण भारत मिशन)** प्रारम्भ किया गया है। तत्क्रम में भारत सरकार द्वारा ''निपुण भारत'' के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये पूर्व से संचालित मिशन प्रेरणा के सम्बन्ध में जारी शासनादेश संख्या—114/68—5—2020 दिनॉक 28 फरवरी, 2020 एवं शासनादेश संख्या—1500 /68—5—2020 दिनांक 11 जनवरी, 2021 को अतिक्रमित करते हुए **''मिशन प्रेरणा फेज—2 : निपुण भारत मिशन''** के क्रियान्वयन हेतु निम्नवत् निर्देश जारी किये जाने का निर्णय सम्यक् विचारोपरान्त लिया गया है:—

(1) ''निपुण भारत'' मिशन का विज़न व उद्देश्य—

(क) वर्ष 2026—27 तक प्राथमिक कक्षाओं में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करना और यह सुनिश्चित करना कि सभी बच्चे कक्षा—3 तक पढ़ने, लिखने और संख्या ज्ञान में ग्रेड स्तर की योग्यता प्राप्त कर लें।

(ख) 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम—आवश्यकताओं, अधिगम—अंतराल और इसके संभावित कारणों की पहचान करना और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कार्यनीतियों की पहल करना।

(ग) प्री—स्कूल एवं कक्षा—1 के बीच सम्बन्ध स्थापित करने और सुचारू कक्षा—अंतरण के उद्देश्य से एनसीईआरटी द्वारा तैयार किए गए ईसीसीई पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क को आंगनबाड़ी और प्री—प्राइमरी स्कूल दोनों द्वारा अपनाया जाना ताकि कक्षा—1 में सुचारू कक्षा—अंतरण सुनिश्चित किया जा सके।

(2) लक्ष्य—

''निपुण भारत'' मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2026—27 तक बालवाटिका से कक्षा—3 के शत—प्रतिशत बच्चों में मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान का लक्ष्य प्राप्त किया जाना।

(3) **मिशन के घटक–**

"निपुण भारत" के अर्न्तगत निर्धारित लक्ष्यों की सम्प्राप्ति हेतु मुख्य घटक निम्नवत हैं :–

(1) लक्ष्य और सूची : मिशन के अधिगम ध्येय

बालवाटिका से कक्षा–3 के लिये वर्ष 2026–27 तक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान का अधिगम स्तर सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निपुण भारत के अन्तर्गत लक्ष्य सूची निर्धारित किये गये हैं, जो **संलग्नक–1** के रूप में संलग्न है। मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये सम्पूर्ण साक्षरता और संख्या ज्ञान के लक्ष्य बाल वाटिका से कक्षा–3 तक के लिये निर्धारित किये गये हैं, जो निम्नवत् हैं :–

भाषा

बालवाटिका	—	अक्षरों और संगत ध्वनियों को पहचान लेते हैं।
	—	कम से कम दो अक्षर वाले सरल शब्दों को पढ़ लेते हैं।
कक्षा–1	—	अर्थ के साथ पढ़ लेते हैं।
	—	ऐसे छोटे वाक्य जो आयु के अनुसार किसी अज्ञात पाठ का भाग हो, जिसमें 4–5 सरल शब्द हों, को पढ़ लेते हैं।
कक्षा–2	—	अर्थ के साथ पढ़ लेते हैं।
	—	45–60 शब्द प्रति मिनट प्रवाह के साथ पढ़ लेते हैं।
कक्षा–3	—	अर्थ के साथ पढ़ लेते हैं।
	—	न्यूनतम 60 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।

गणित

बालवाटिका	—	10 तक के अंकों को पहचान और पढ़ लेते हैं।
	—	एक कम में घटनाओं की संख्या, वस्तुओं, आकृतियों, घटनाओं को व्यवस्थित कर लेते हैं।
कक्षा–1	—	99 तक की संख्यायें पढ़ एवं लिख लेते हैं।।
	—	सरल जोड़ और घटाव कर लेते हैं।
कक्षा–2	—	999 तक की संख्यायें पढ़ और लिख लेते हैं।
	—	99 तक की संख्याओं का घटाव कर लेते हैं।
कक्षा–3	—	9999 तक की संख्यायें पढ़ और लिख लेते हैं।
	—	सरल गुणा समस्याओं को हल कर लेते हैं।

उक्त निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप किसी विद्यालय के शत–प्रतिशत बच्चों द्वारा ग्रेड कम्पीटेंसी हासिल किये जाने के उपरान्त विद्यालय को **"प्रेरक विद्यालय"** घोषित किया जायेगा। उक्तानुसार किसी विकासखण्ड के शत–प्रतिशत बच्चों द्वारा निर्धारित दक्षतायें प्राप्त किये जाने की दशा में उक्त विकासखण्ड को **"प्रेरक विकासखण्ड"** (POLE-Pocket of Learning Excellence) के रूप में घोषित किया जायेगा। इसी प्रकार जिस जनपद के समस्त विकासखण्डों द्वारा स्वतंत्र मूल्यांकन में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया जायेगा, उन्हें **"प्रेरक जनपद"** घोषित किया जायेगा।

(2) बालवाटिका –

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के समन्वय से समग्र शिक्षा द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि 05 वर्ष की आयु से पूर्व प्रत्येक बच्चा एक "प्रिपरेटरी कक्षा" या "बालवाटिका" में जा सकेगा (अर्थात् कक्षा–1 से पहले)। इन प्रिपरेटरी कक्षाओं में अधिगम मुख्य रूप से खेल आधारित शिक्षा पर फोकस किया जायेगा, जिसमें संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरक क्षमताओं के विकास तथा प्रारम्भिक साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को

विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। बालवाटिका/प्री–प्राइमरी शिक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत निर्देश पृथक से जारी किये जायेंगे।

(3) स्कूल तैयारी मॉड्यूल–

एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा विकसित कक्षा–1 के विद्यार्थियों के लिए 03 माह के खेल–आधारित 'स्कूल तैयारी मॉड्यूल' (विद्याप्रवेश) एवं राज्य की स्थानीय आवश्यकताओं के दृष्टिगत एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा स्कूल तैयारी मॉड्यूल का विकास किया गया है। यह मॉडयूल गतिविधि एवं खेल के माध्यम से अधिगम लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। स्कूल तैयारी मॉड्यूल पर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0 द्वारा प्रशिक्षित किया जायेगा।

(4) संवर्द्धित कक्षा–कक्ष –

विद्यालयों में कक्षा–कक्ष का वातावरण सुधारने एवं आकर्षक बनाने के लिये टी.एल.एम., वर्कबुक, प्रिंटरिच सामग्री आदि शिक्षकों एवं बच्चों को उपलब्ध करायी जायेंगी। शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में खेल, खोज और गतिविधि–आधारित शिक्षण को सम्मिलित करके एक समावेशी कक्षा का वातावरण सृजित किया जायेगा। अकादमिक गतिविधियों यथा– टी0एल0एम0, विभिन्न मॉड्यूल्स, किट्स एवं प्रेरणा तालिका के प्रयोग तथा सपोर्टिव सुपरविज़न आदि के माध्यम से कक्षा–कक्ष का रूपान्तरण सुनिश्चित किया जायेगा।

(5) शिक्षक प्रशिक्षण –

फाउण्डेशनल लिटरेसी एवं न्यूमरेसी तथा विभाग द्वारा विकसित विभिन्न मॉडयूल्स एवं शैक्षणिक सामग्री के साथ ही निष्ठा के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा निर्गत निर्देशानुसार शिक्षक प्रशिक्षण प्रक्रिया को नियमित एवं अद्यावधिक किये जाने के लिये राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 द्वारा प्रशिक्षण कोर्सेज का वार्षिक कैलेण्डर जारी किया जायेगा।

(6) दीक्षा एवं आई0टी0 प्रणाली का प्रयोग –

एस0सी0ई0आर0टी0 द्वारा कक्षा 1–3 तक के ई– कन्टेंट की निपुण भारत के लक्ष्यों के सापेक्ष मैपिंग की जायेगी तथा आवश्यकतानुसार कन्टेंट में संशोधन व संवर्द्धन सुनिश्चित किया जायेगा। छात्र–केंद्रित, परिणाम–केंद्रित शिक्षण के साथ स्थानीय भाषा/भाषाओं में अधिगम–शिक्षण व ई– कन्टेंट के लिए दीक्षा पोर्टल को नए पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क के साथ जोड़ा जायेगा तथा विद्यालय स्तर पर इसका उपयोग सुनिश्चित किया जायेगा। आई0टी0 प्रणाली यथा– दीक्षा, स्मार्ट क्लासेज, National Digital Education Architecture (NDEAR) आदि को बढ़ावा दिया जायेगा।

(7) अधिगम आकलन –

छात्र–छात्राओं के लर्निंग आउटकम्स के आधार पर विषयवार/ग्रेडवार अधिगम आकलन एवं मूल्यांकन हेतु विद्यालय आधारित आकलन, राज्य स्तरीय आकलन (Student Assessment Test) एवं राज्य परियोजना कार्यालय स्तर से चयनित वाह्य संस्था के माध्यम से स्वतंत्र मूल्यांकन सुनिश्चित किया जायेगा। आकलन के परिणामों के आधार पर बच्चों को प्रगति कार्ड उपलब्ध कराया जायेगा, जिसमें बच्चों की समग्र प्रगति का विवरण अंकित होगा। आयोजित की गयी परीक्षा का रिपोर्ट कार्ड प्रत्येक छात्र–छात्रा के अभिभावक को प्रेषित किया जायेगा एवं प्रत्येक विद्यालय की ग्रेडिंग कराते हुए विद्यालय रिपोर्ट कार्ड खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रधानाध्यापकों को प्रेषित किया जायेगा, जिससे कि शैक्षिक गुणवत्ता में निरन्तर सुधार किया जा सके।

(8) पुस्तकालय का उपयोग–

बच्चों में पढ़ने के प्रति रूचि विकसित करने के उद्देश्य से सभी विद्यालयों में लाइब्रेरी विद रीडिंग कार्नर स्थापित किया जायेगा, जिसमें बुनियादी भाषायी एवं गणितीय कौशल से संबंधित पुस्तकें तथा कहानी की पुस्तकों से युक्त एक समृद्ध एवं क्रियाशील पुस्तकालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

RAJKUMAR AURAIYA - 9760712529

उत्तर प्रदेश सरकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश
NIPUN BHARAT
NIPUN BHARAT
निपुण भारत लक्ष्य
कक्षा
भाषा
गणित
बालवाटिक
अक्षरों एवं संगत ध्वनियों को पहचान लेते है।कम से कम दो अक्षरों वाले सरल शब्दों को पढ़ लेते है।
10 तक के अंकों को पहचान व पढ़ लेते है।एक क्रम में घटनाओं की संख्या,वस्तुओं,आकृतियों, घटनाओं को व्यवस्थित कर लेते है।
कक्षा-1
अर्थ के साथ पढ़ लेते है।,ऐसे छोटे वाक्य जो आयु के अनुसार अज्ञात पाठ का भाग हो,जिसमे 4-5 सरल शब्द हो,को पढ़ लेते है।
99 तक की संख्याएं लिख व पढ़ लेते है।सरल जोड़ व घटाव कर लेते है।
कक्षा-2
अर्थ के साथ पढ़ लेते है। 45-60 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते है।
999 तक की संख्याएं पढ़ व लिख लेते है।99 तक की संख्याओं का घटाव कर लेते है।
कक्षा-3
अर्थ के साथ पढ़ लेते है। न्यूनतम 60 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते है।
9999 तक की संख्याओं को पढ़ व लिख लेते है।सरल गुणा समस्याओं को हल कर लेते है।

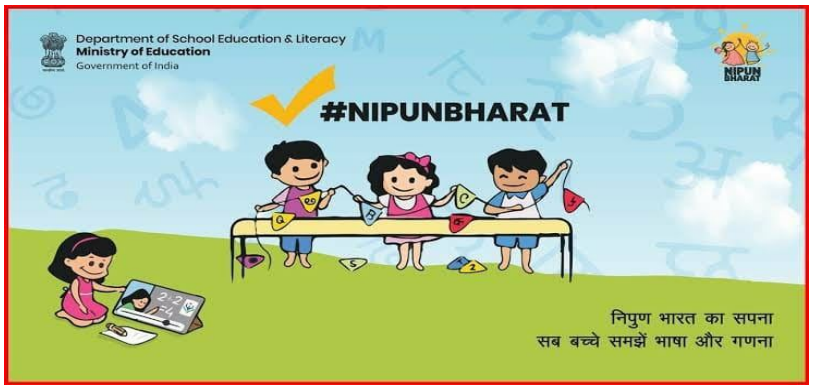

हमारा लक्ष्य निपुण विद्यालय ,प्राथमिक विद्यालय - महिपालपुर , सहार जनपद –औरैया